कजरिया अपडेट 14 जुलाई 2020

1 जुलाई 2020 को जिस भूमि पर वनविभाग ने अपनी विभागीय ज़मीन बताते हुए, वहां खेती कर रही थारू आदिवासी महिलाओं पुरूषों पर हमला किया था, उस ज़मीन पर गत 14 जुलाई 2020 को महिलाओं ने अपना पुनर्दख़ल कायम करते हुए जुताई करके जोत कोड़ का काम शुरू कर दिया है। गत 1 जुलाई को वनविभाग व पुलिस द्वारा किये गये हमले का जिस बहादुरी के साथ ना सिर्फ सामना किया बल्कि वे 3 वनविभाग व 1 पुलिस विभाग के अधिकारियों पर एफ.आई.आर दर्ज कराकर मुकदमा दर्ज कराने में कामयाब हुई वो अपने आप में एक मिसाल बन गयी।

ग्राम कजरिया की यह ज़मीन जो कि आज भी ग्रामसभा के नक्शे में गाटा सं0 339, 340, 341 व 342 में दर्ज है, इस पर गॉव के थारू आदिवासी समुदाय के लोग पुरखों के समय से खेती करते चले आ रहे थे लेकिन वर्ष 2008 में यहां नेपाल से आने वाली मोहाना नदी में बाढ़ आने के कारण यह ज़मीन कट कर नदी में शामिल हो गयी। उसके बाद के समय में बरसात के दिनों में यह ज़मीन नदी ने फिर छोड़ दी और इसके बाद के समय से ही वनविभाग ने इस भूमि पर अपना हक जमाते हुए पूरी तरह से अपने अवैध कब्जे में ले लिया। वर्ष 2013 के बाद जब यहां के लोगों ने अपने सामुदायिक वनसंसाधन के हक के लिये वनाधिकार कानून नियमावली संशोधन–2012 के तहत प्रशासन के समक्ष अपने दावे प्रस्तुत कर दिये तो इस छिनी हुई ज़मीन को वापिस लेने का मुद्दा संगठित हो चुके थारू समुदाय विशेषकर महिलाओं में फिर से ज़ोर पकड़ने लगा और संगठन से जुड़े कई गॉवों की महिलाओं ने मिलकर तय करके इस ज़मीन पर अपना पुनर्दख़ल क़ायम करके कामयाबी हासिल कर ली। इसी के बाद से वनविभाग हर वर्ष जब भी बीजारोपण का समय होता है लोगों पर हमला करने की कोशिश करता चला आ रहा है। चूंकि कई गॉवों की संगठित महिलायें इस पर मिलकर खेती के काम को पूरा करती रहीं, वनविभाग कई बार हमला करने के बावजूद इस ज़मीन को महिलाओं के हाथ से वापिस अपने कब्जे में लेने के लिये कामयाब नहीं हो सका।

इस वर्ष क्योंकि कोरोना महामारी के चलते लोगों पर अधिकारियों का काफी दबाव था, इस लिये वनविभाग हमला करने में कामयाब तो हुआ, लेकिन महिलाओं ने जुझारू संघर्ष का रास्ता अपनाते हुए उनको ना सिर्फ वहां से भागने के लिये मजबूर कर दिया बल्कि वे वनविभाग व पुलिस पर मुकदमा कायम करने में भी कामयाब हुईं और अपनी पुरखों की पुश्तैनी वन विभाग द्वारा छिनी हुई ज़मीन पर पुनर्दख़ल भी कायम किया।

सांगठनिक रिपोर्ट

थारू आदिवासी महिला मज़दूर किसान मंच
सम्बद्धः– अखिल भारतीय वन–जन श्रमजीवी यूनियन